# नामावलिः

सरस्वती महेशस्य वाक्सरोजसमुद्भवा।
शिवयोः पूजने सक्ता सा मे दिशतु काङ्क्षितम्।।

विष्णोर्वक्षःस्थिता लक्ष्मीः शिवयोः पूजने रता।
शिवयोः शासनादेव, सा मे दिशतु काङ्क्षितम्।।

महाकाली महादेव्या पादपूजापरायणा।
तस्या एव नियोगेन, सा मे दिशतु काङ्क्षितम्।।

कौशिकी सिंहमारूढा पार्वत्याः परम सुता।
विष्णोर्निद्रा महामाया महामहिषमर्दिनी।।
निशुम्भशुम्भसंहर्त्री मघुमांसासवप्रिया।
सत्कृत्या शासनं मातुः, सा मे दिशतु काङ्क्षितम्।।

स्कंघमाता सिद्धिदात्री महांगौरी कूष्मांण्डा।
चद्रघंटा शैलपुत्री कालरात्री कात्यायणी।।
कल्याणी कालिका चंडिका चामुंडा।
शामभवी दुर्गा महांलक्ष्मी जगदम्बा।।

गायत्री रूद्राणि वेदवती ब्रह्मकला।
भगवती महेशानी शाकम्भरी रत्नाकरा।।
सन्मार्गदायिनी भवानी शिवघारिणी जलप्रिया।
सर्वामी त्रिसन्ध्या रासेश्वरी मंगलप्रभा।।

ओंकारा जगद्गोरी जरत्कारू नागेश्वरी।
सिद्धयोगिनी षष्ठीदेव्यै भ्रामरी तरूणाकृति।।
तुलसीतरूणातरू नन्दमंड़लदर्पणा।
कृतकौतुक मंगला गिरीशा,
श्री जानकी जगती जरा।।

प्रणंवा पुण्डरीकनिभेक्षणा परिश्रान्ता नारायणप्रिया।
परज्योति सागराम्बरा वरलक्ष्मी वरा।।
भवबन्धविमोविनी रोद्रपिर्याकारा।
पशुपाशविनिर्मुकता परमा,
ऐं माँ जयन्ती ज्वाला।।

गंगा गणेशगुहपूजिता मोक्षदा गोविन्दचरणाक्रान्ता।
पञ्चकोशविनिर्मुक्ता पर्वा पद्माक्षी सदानन्दा।।
पितृलोक प्रदायिनी पंचभ्रक्षप्रियाचारा,
जया पराम्बिका वसुन्धरा, निरञ्जना, अमृता पारावारा।।

शारदा शरणागति छत्रेश्वरी शिवाकारा।
क्षीराब्धितन्या वृन्दा भुवनेश्वरी शुभाचारा।।
धनुर्वेदविशारदा धनाध्यक्षा दीक्षा क्षमा।
देवयानी अम्बिके शर्वाणी,
रामा रमणी रमा।

सरस्वती स्कलेश्टदा पुर्णाक्षा सदाधारा।
मणिकारीणी धात्रीरंजिता इष्टदा निराधारा।।
नीलकण्ठस्माश्रया नन्दजा नन्दनात्मिका गोकुलस्था।
सावित्री योगगम्या माहेश्वरी केशवनुता।।

महांकाली महांलक्ष्मी महांमाया महांकन्या।
भद्राकार्णिका बृहत्स्कन्धा महांभागा भुजङ्गवलया।।
मनसा स्वधा स्वाहा, सर्वमंगलकारिणी शिवा।
जन्नी वृन्दारका गिरिजा, श्रीगायत्री उमा।।

◆◆◆